हमारे राष्ट्र की सेवा के 5 दशक

महान स्वतंत्रता सेनानी
भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत (जी.बी. पंत)
संयुक्त प्रांत के प्रधान मंत्री (1937-1939)
उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (1946- 1954)
केंद्रीय गृह मंत्री (1954-1961)

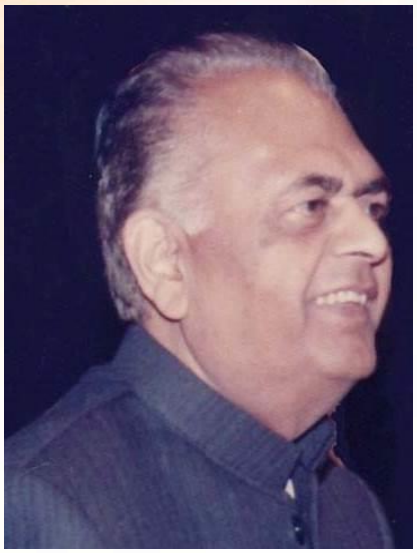

पूर्व रक्षा मंत्री के. सी. पंत

केंद्रीय मंत्रिमंडल एवं आयोग - 25 वर्ष

संसद सदस्य - 26 वर्ष

इला पंत, सांसद, नैनीताल

संसद में विदेशी मामलों की सलाहकार समिति की सदस्य

• 1930-1945 -	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पंडित गोविंद बल्लभ पंत को अंग्रेजों ने कई बार कैद किया।	पंडित गोविंद बल्लभ पंत
• 1937-1939 -	प्रधान मंत्री, संयुक्त प्रांत	पंडित गोविंद बल्लभ पंत
• 1946-1954 -	प्रथम मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश	पंडित गोविंद बल्लभ पंत
• 1954-1961 -	केंद्रीय गृह मंत्री, नेता सदन, राज्य सभा	भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत
• 1962-1967 -	संसद सदस्य, नैनीताल	के. सी. पंत
• 1967-1971 -	संसद सदस्य, नैनीताल, भारी उद्योग मंत्री, वित्त मंत्री	के. सी. पंत
• 1971-1977 -	संसद सदस्य, नैनीताल, गृह, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सिंचाई और बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स, परमाणु ऊर्जा मंत्री	के. सी. पंत
• 1978-1984 -	संसद सदस्य, राज्यसभा, उत्तर प्रदेश	के. सी. पंत
• 1979-1980 -	नेता सदन, राज्य सभा	के. सी. पंत
• 1982-1984 -	अध्यक्ष, ऊर्जा सलाहकार बोर्ड	के. सी. पंत
• 1984-1990 -	शिक्षा मंत्री, इस्पात और खान मंत्री, कोयला मंत्री, रक्षा मंत्री	के. सी. पंत
• 1992-1995 -	अध्यक्ष, 10th वित्त आयोग	के. सी. पंत
• 1998-1999 -	संसद सदस्य, नैनीताल, संसद में विदेशी मामलों की सलाहकार समिति की सदस्य	इला पंत
• 1998-2004 -	राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के गठन के लिए टास्क फोर्स के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, योजना आयोग, केंद्रीय मंत्रिमंडल समिति के सुरक्षा परिषद के सदस्य, कश्मीर के लिए प्रधान मंत्री के वार्ताकार, प्रधान मंत्री द्वारा आधारभूत संरचना पर गठित कार्यबल के अध्यक्ष, भारतीय जनसंख्या आयोग के अध्यक्ष, अध्यक्ष, RIS, भारत-ब्रिटेन राउंड टेबल वार्ता के अध्यक्ष	के. सी. पंत

54 वर्ष+

गृह मंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत 1957 में सार्वजनिक मामलों में उनके योगदान के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न प्राप्त करते हुये

सरदार पटेल के साथ पंडित पंत

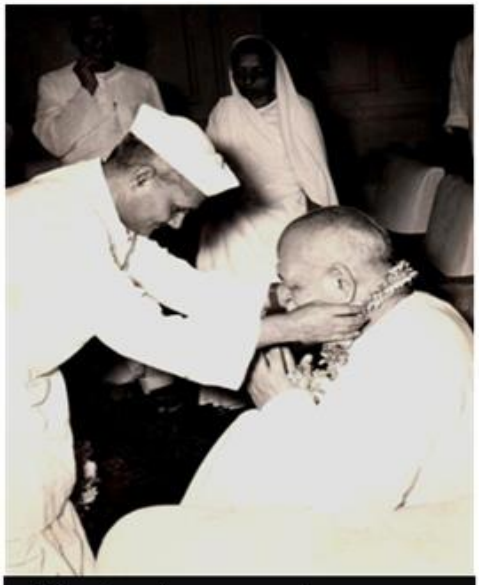

पंडित पंत को माला पहनाते लाल बहादुर शास्त्री

राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन पंडित पंत का अभिनंदन करते हुए

भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

नैनीताल संसदीय सीट ने एक जीवंत राजनीतिक इतिहास देखा है। इसके विजेताओं की यात्रा क्षेत्र और राष्ट्र की राजनीतिक धाराओं को दर्शाती है। 6 टर्म्स 1951 से 1998 तक 27 वर्ष, विजयी प्रत्याशियों में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत, केंद्रीय गृह मंत्री के परिवार के सदस्य रहे।

आजादी के बाद, 1951-52 में देश के पहले लोक सभा चुनाव में नैनीताल संसदीय सीट से पंडित पंत के राजनीतिक सचिव ने 19486 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। 1957 के चुनाओं में भी राजनीतिक सचिव ने 29487 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

मास्को में रक्षा मंत्री के.सी. पंत से मुलाकात करते रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव

योजना आयोग के उपाध्यक्ष के.सी. पंत के साथ प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन

यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री टोनी ब्लेयर 10, डाउनिंग स्ट्रीट, लंदन में योजना आयोग के उपाध्यक्ष के.सी. पंत से मुलाकात करते हुए

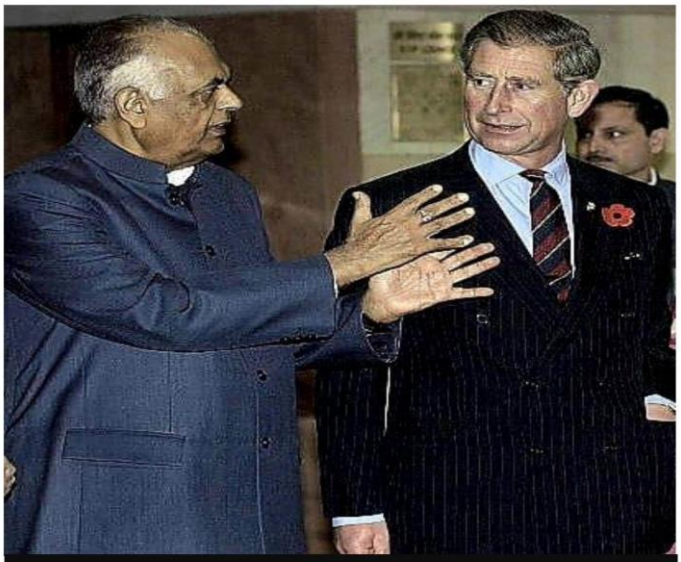

नई दिल्ली में के.सी. पंत और प्रिंस चार्ल्स

पंडित पंत के पुत्र के. सी. पंत 1962-1977 तक लगातार 15 वर्षों तक इस सीट से सांसद रहे। के. सी. पंत 26 वर्षों तक केंद्रीय मंत्रीमंडल में रक्षा मंत्री, वित्त, गृह, शिक्षा, इस्पात एवं भारी इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, परमाणु ऊर्जा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रहे।

के. सी. पंत ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष, 10वां वित्त आयोग के अध्यक्ष, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, प्रधान मंत्री द्वारा आधारभूत संरचना पर गठित कार्यबल के अध्यक्ष, कश्मीर के लिए प्रधान मंत्री के वार्ताकार, केंद्रीय मंत्रिमंडल समिति के सुरक्षा परिषद के सदस्य, जनसंख्या आयोग के अध्यक्ष, अध्यक्ष, RIS, भारत-ब्रिटेन राउंड टेबल वार्ता के अध्यक्ष भी रहे ।

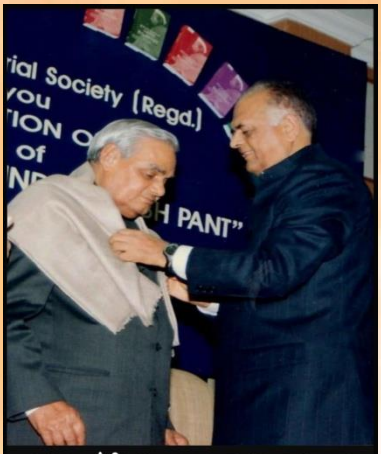

प्रधानमंत्री आवास पर भारत रत्न गोविंद बल्लभ पंत की सलेक्टेड वर्क्स के 18 खंडों के विमोचन के अवसर पर के.सी. पंत के साथ प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

1962-1967 के चुनावों में के.सी. पंत ने नैनीताल संसदीय सीट से 64643 वोटों के अंतर से, 1967-1971 में 33859 वोटों के अंतर से तथा 1971-1977 में लगभग 1 लाख वोटों के अंतर से जीत प्राप्त की थी।

के. सी. पंत 1978-1984 तक उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद भी रहे।

1984-1989 के चुनावों में नई दिल्ली से के.सी. पंत ने 72886 वोटों के अंतर से जीत प्राप्त की थी |

1998 में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की बहू इला पंत ने इस सीट से जीत हासील की। इला पंत ही अब तक एकमात्र महिला प्रत्याशी हैं जो नैनीताल संसदीय सीट से संसद पहुंच सकी हैं।

इला पंत के साथ प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

पोरबंदर में के.सी. पंत और इला पंत के साथ नरेंद्र मोदी

उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ इला पंत

पंडित पंत की प्रतिमा पर इला पंत और लालकृष्ण आडवाणी के साथ उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू

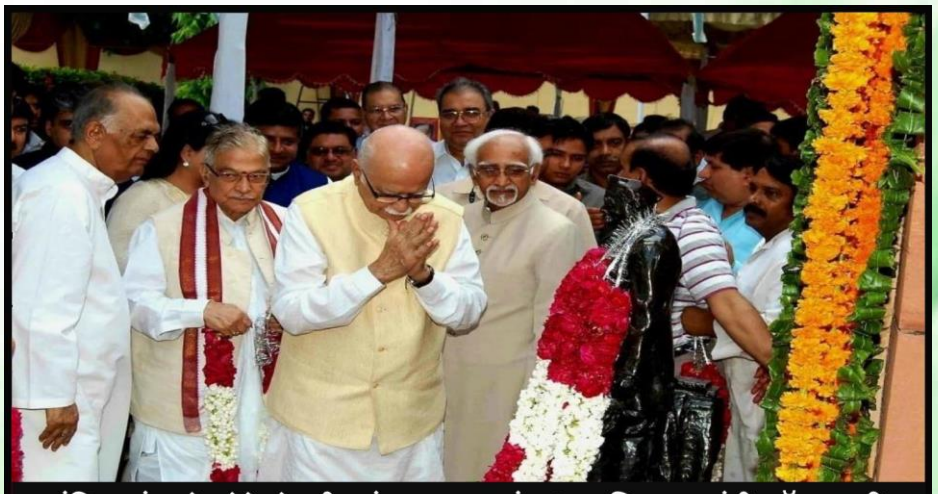

पंडित पंत के बेटे के.सी. पंत, मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी पंडित पंत को श्रद्धांजलि देते हुए

पंडित पंत की प्रतिमा पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, इला पंत और लालकृष्ण आडवाणी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इला पंत को श्री राम की प्रतिमा भेंट करते हुए

पंत परिवार की विरासत और उनके व्यापक योगदान के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस परिवार ने भारतीय राजनीति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पंडित गोविंद बल्लभ पंत, स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे और एक दूरदर्शी नेता माने जाते थे, उन्होंने आधुनिक शासन की नींव रखी और संयुक्त प्रांत के प्रधान मंत्री 1937-1939 तक और 1946-1954 तक उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के रूप में भारत के सबसे बड़े और सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए और बाद में 1954-1961 तक केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में पूरे भारत के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

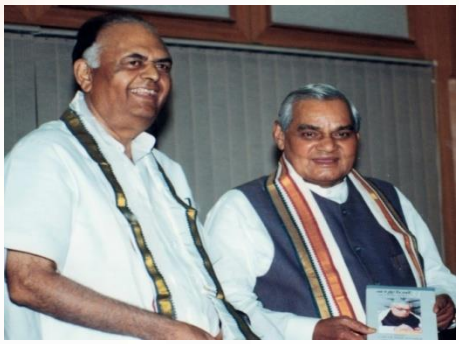

उनके पुत्र, के.सी. पंत ने 25 वर्षों से अधिक समय तक कई मंत्रालयों का नेतृत्व करते हुए रक्षा, शिक्षा, इस्पात, बिजली, ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, सिंचाई, योजना, वित्त, राज्यों को वित्त आवंटन, सुरक्षा संबंधी मामलों में महत्वपूर्ण सुधार किये। उन्होंने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की नींव रखने और प्रथम NSA की नियुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

के.सी. पंत और डॉ. अब्दुल कलाम

भूख मुक्त भारत पर आयोजित सम्मेलन में अटल बिहारी वाजपेयी और के.सी.पंत

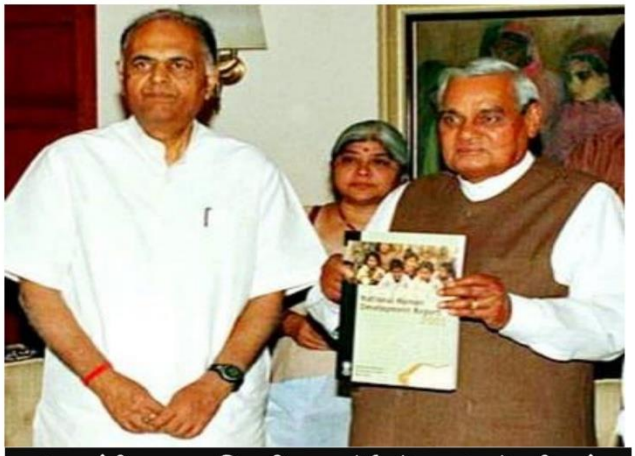

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के साथ के.सी. पंत प्रथम राष्ट्रीय मानव विकास रिपोर्ट जारी करते हुए

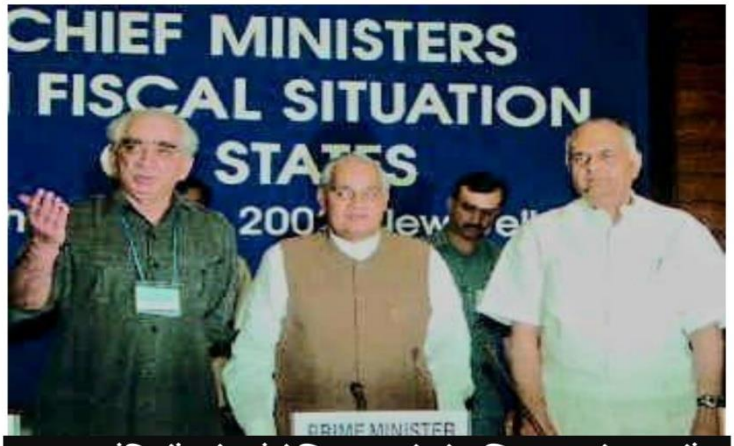

मुख्यमंत्रियों को संबोधित करने के लिए सम्मेलन में के.सी. पंत और प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

इला पंत का राजनीतिक कार्यकाल भी इस परिवार की जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाता है, जिसमें उनका अपने कार्यकाल के दौरान प्रभाव महत्वपूर्ण रहा। वह संसद में विदेशी मामलों की सलाहकार समिति की सदस्य भी थीं। पंत परिवार का योगदान भारत के विकास के कई महत्वपूर्ण चरणों में व्याप्त है, जो उनकी देश के प्रगति और कल्याण के प्रति समर्पण को प्रतिबिंबित करता है|

वाशिंगटन डीसी में अमेरिका के उपराष्ट्रपति के साथ रक्षा मंत्री के.सी.पंत

वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी नौसेना प्रमुख, रक्षा मंत्री के.सी. पंत का स्वागत करते हुये

वाशिंगटन डीसी में रक्षा मंत्री के.सी.पंत

वाशिंगटन डीसी में रक्षा मंत्री के.सी.पंत

तीनों सेनाओं के प्रमुखों- थल सेना, नौसेना और वायुसेना रक्षा मंत्री के.सी.पंत का स्वागत करते हुये

भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड में रक्षा मंत्री के.सी.पंत और इला पंत

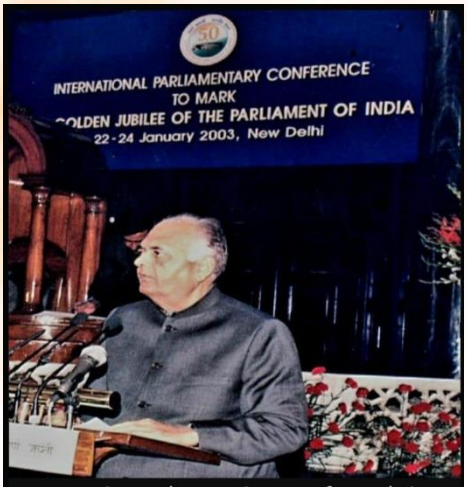

भारतीय संसद की स्वर्ण जयंती पर केंद्रीय मंत्रियों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए के.सी. पंत

बांग्लादेश का निर्माण - के.सी.पंत नई दिल्ली में बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबर रहमान का स्वागत करते हुए

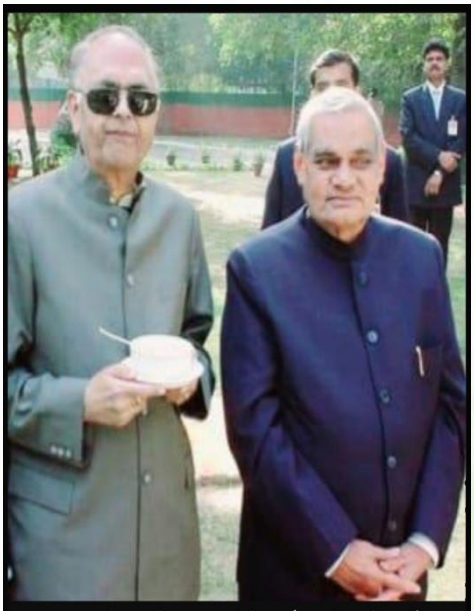

अटल बिहारी वाजपेई और के.सी. पंत

रक्षा मंत्री के.सी.पंत के साथ इला पंत और फ्रांस की रक्षा मंत्री

वाशिंगटन डीसी में थिंक टैंक के सदस्यों से मुलाकात करते के.सी.पंत

वियतनाम लोकतांत्रिक गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. हो ची मिन्ह के साथ गृह मंत्री पंडित पंत

गृह मंत्री पंडित पंत से मुलाकात करते भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षार्थी

गृह मंत्री पंडित पंत यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री हेरोल्ड मैकमिलन से मुलाकात करते हुए

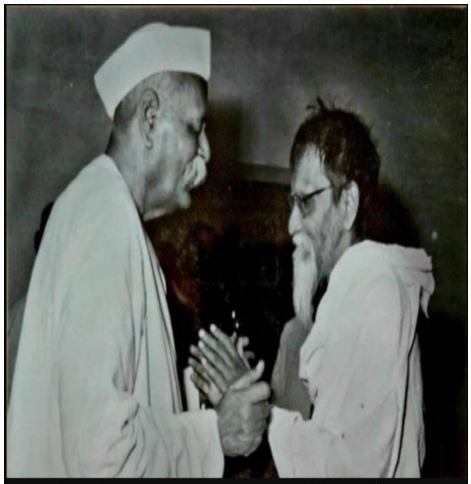

विनोबा भावे के साथ पंडित पंत

गृह मंत्री पंडित पंत नई दिल्ली में संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश के साथ

गृह मंत्री पंडित पंत मल्लांवाला में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुएगृह मंत्री पंडित पंत मल्लांवाला में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए

पूर्व रक्षा मंत्री के.सी. पंत, इला पंत, संसद सदस्य - 12वीं लोकसभा
सुनील और रंजन

मॉस्को पहुंचने पर के.सी. पंत को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित करते हुये

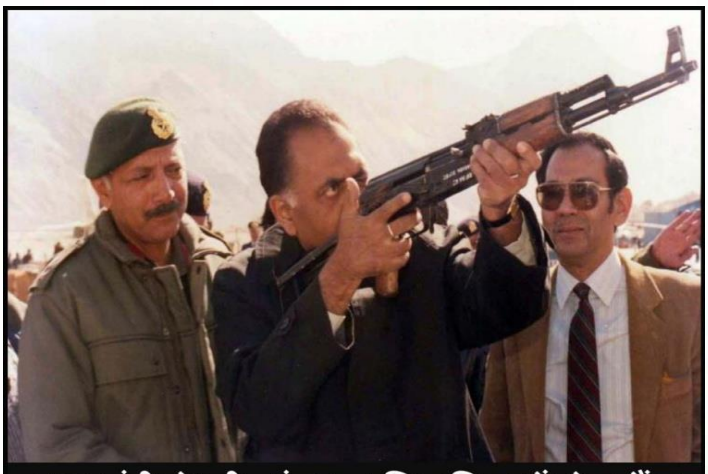

रक्षा मंत्री के.सी. पंत का सियाचिन में बेस कैंप का दौरा

उत्तर 24 परगना के ईशापुर में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस और इंडियन नेशनल डिफ़ेंस वर्कर्स फ़ेडरेशन की बैठक को संबोधित करते रक्षा मंत्री के.सी. पंत

www.facebook.com/pantpath

Likes & Following:- 8,80,000+

www.pantpath.org (To be launched soon)